दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार, 17 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 228

महत्वपूर्ण एवं खास

मुंडका हादसा : मृतकों के डीएनए की पहचान के लिए 20 परिवारों ने दिए रक्त के नमूने

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी में मुंडका इलाके में भीषण अग्निकांड में लापता लोगों के करीब 20 परिवारों ने घटनास्थल से मिले 27 शवों की पहचान के लिए अपने रक्त के नमूने दिए हैं। डॉक्टरों ने रविवार को यूनीवार्ता को यह जानकारी दी। संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि परिवारों में वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार को एक व्यावसायिक इमारत में लगी भीषण आग में मारे गए आठ पीड़ितों के शवों का दावा किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 27 लोगों की मौत हुई है, जो चार मंजिला इमारत में काम करते थे। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) डॉ एसके अरोड़ा ने कहा कि घटनास्थल से मिले 27 शव में से आठ शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए हैं। हालांकि, वैज्ञानिक पहचान करने के लिए हमने डीएनए मिलान के लिए सदस्यों के रक्त के नमूने लिए हैं। डॉ अरोड़ा ने बताया कि शवों का दावा करने वालों सहित करीब 20 परिवारों ने डीएनए परीक्षण के लिए अपने रक्त के नमूने दिए। उन्होंने कहा,हम उम्मीद करते हैं कि सभी 27 परिवार सोमवार तक अपने रक्त के नमूने उपलब्ध करा देंगे। डीएनए मिलान प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए डॉ अरोड़ा ने कहा कि मृतक की डीएनए पहचान के लिए रक्त के नमूनों का मिलान दांत और फीमर की हड्डी (जांघों में पाई जाने वाली) से किया जाएगा। डॉक्टरों ने कहा कि दोहरे उपाय से डीएनए की पहचान में बेहतर परिणाम सुनिश्चित होंगे। इसी बीच, एमएस अरोड़ा ने कहा कि डॉक्टरों को पीड़ित परिवारों को समझाने और शवों की पहचान करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि डीएनए मिलान के जरिए सभी शवों की पहचान की प्रक्रिया पांच से सात दिनों के भीतर पूरी होने की उम्मीद है।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 191.37 करोड़ से अधिक लगे टीके

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 191.37 करोड़ (1,91,37,34,314) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,39,49,544 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 3.17 करोड़ (3,17,89,795) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल,2022 को प्रारंभ की गई थी। भारत में सक्रिय मामले आज 17,317 हैं। सक्रिय मामले, कुल पॉजिटिव मामलों के 0.04 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 2,550 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 4,25,82,243 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,202 नए मामले सामने आए। 24 घंटों में कुल 2,97,242 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 84.41 करोड़ से अधिक (84,41,34,156) जांच की गई हैं। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.59 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.74 प्रतिशत है।

इंडोनेशिया : सडक़ हादसे में 15 लोगों की मौत,16 घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत में आज सडक़ हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गये। डॉक्टर और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खोज एवं बचाव अभियान मामलों के प्रांतीय प्रमुख आई वायन सुयतना ने बताया कि हादसा आज सुबह मोजोकर्टो जिले में एक टोल रोड पर उस समय हुआ जब बस सडक़ किनारे स्थित पोल से टकरा गई। उन्होंने कहा, शायद ड्राइवर बहुत थका हुआ था, इसलिए वह बस को नियंत्रित नहीं कर सका। पुलिस घटना की जांच करेगी ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता चल सके। डॉ. वहीदीन सुदिरोहुसोदो अस्पताल की आपातकालीन इकाई के प्रभारी डॉक्टर मुहम्मद बायू एसडी ने कहा कि 13 शव उनके अस्पताल में हैं जबकि एक-एक शव सिट्रा मेडिका अस्पताल और बसोनी अस्पताल में है। घायलों को यहां के अलावा बसोनी अस्पताल, सिट्रा मेडिका अस्पताल, एम्मा अस्पताल और गैटोएल अस्पताल भर्ती किया गया है।

भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का होगा लोकार्पण

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में राष्ट्र 17 मई, 2022 को एक ऐतिहासिक घटना का साक्षी बनने जा रहा है, जब भारतीय नौसेना के दो अग्रिम मोर्चे के युद्धपोतों का लोकार्पण किया जायेगा। ये यद्धपोत हैं, सूरत, जो परियोजना 15बी का डिक्ट्रॉयर है और दूसरा है उदयगिरि, जो परियोजना 17ए का फ्रिगेट है। मुम्बई के मझगांव डॉक्स लिमिटेड (एमडीएल) में एक साथ दोनों का शुभारंभ किया जायेगा। दोनों कार्यक्रमों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे।

परियोजना 15बी श्रेणी के पोत भारतीय नौसेना के अगली पीढ़ी के स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर हैं, जिन्हें मझगांव डॉक्स लि. मुम्बई में बनाया जाता है। 'सूरत' परियोजना 15बी डिस्ट्रॉयर श्रेणी का चौथा पोत है, जिसे पी15ए (कोलकाता श्रेणी) में कई परिवर्तन करके विकसित किया गया है। इसका नाम गुजरात की वाणिज्यिक राजधानी और मुम्बई के बाद पश्चिमी भारत के दूसरा सबसे बड़े व्यापारिक केंद्र सूरत के नाम पर रखा गया है। सूरत शहर का समृद्ध समुद्री और पोत निर्माण इतिहास रहा है। यहां 16वीं और 18वीं शताब्दी में जहाज बनाये जाते थे, जो लंबे समय तक कार्यशील रहते थे, यानी जिनकी आयु 100 से अधिक की होती थी। 'सूरत' का निर्माण ब्लॉक निर्माण पद्धित से हुआ है, जिसमें जहाज की पेंदी को दो विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर निर्मित किया गया है। बाद में इसे एमडीएल, मुम्बई में जोड़ा गया। इस श्रेणी के पहले पोत को 2021 में कमीशन किया गया था। दूसरे और तीसरे पोत का शुभारंभ किया गया तथा वे साजो-सामान/परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं।

उदयगिरि' का नाम आंध्रप्रदेश की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। यह परियोजना 17ए का तीसरा फ्रिगेट है। इन्हें पी17 फ्रिगेट (शिवालिक श्रेणी) का अनुपालन करते हुये संशोधित स्टेल्थ विशेषताओं, उन्नत हथियारों, संवेदी उपकरणों और प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणालियों से लैस किया गया है। 'उदयगिरि' दरअसल पुराने 'उदयगिरि' का अवतार है, जो लियेंडर क्लास एएसडब्लू फ्रिगेट था। इस पोत ने 18 फरवरी, 1976 से 24 अगस्त, 2007 तक के तीन दशकों के दौरान असंख्य चुनौतीपूर्ण गतिविधियों का सामना करते हुये राष्ट्र की शानदार सेवा की। पी17 कार्यक्रम के तहत कुल सात पोतों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से चार पोत एमडीएल और तीन पोत जीआरएसई में बनाये जा रहे हैं। एकीकृत निर्माण, मेगा ब्लॉक आउटसोर्सिंग, परियोजना डाटा प्रबंधन/परियोजना जीवन-चक्र प्रबंधन (पीडीएम/पीएलएम) आदि जैसी नई अवधारणाओं तथा प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन सबको स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन तथा निर्माण में पहली बार अपनाया जा रहा है। याद रहे कि पी17ए परियोजना के पहले दो जहाजों को एमडीएल और जीआरएसई में क्रमश: 2019 और 2020 में शुरू किया गया था।

ईटानगर में भूस्खलन, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हुई मौत

ईटानगर (आरएनएस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में बीती रात भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के कम से कम तीन सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, डी-सेक्टर में पंजाबी ढाबे के पीछे स्थित एक कच्चे मकान पर चट्टान का बड़ा हिस्सा गिर गया जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

ईटानगर थाना प्रभारी सिमी ने कहा, भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में चट्टान का एक बड़ा हिस्सा एक कच्चे मकान के ऊपर आ गिरा। इसमें रहने वाले एक ही परिवार के नौ सदस्यों में से तीन जिंदा दफन हो गए और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा, बचाव दल में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी, स्थानीय पुलिस तथा राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मी शामिल थे। स्थानीय लोगों और मशीनरी की मदद से दो शव बरामद किए, जिनमें एक लडक़े की पहचान तापस राय (15) और दूसरे की पहचान 50 वर्षीय नागेन बर्मन के रूप में हुई है। कुसुम राय नाम की एक महिला की तलाश जारी है।

थाना प्रभारी ने कहा, ईटानगर और नाहरलगुन के बीच सोमवार सुबह शिव मंदिर क्षेत्र के पास मोदिरिजो गांव में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दो घर बह गए। इस घटना में हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सिर्फ राजधानी ईटानगर ही नहीं, बल्कि राज्य के अन्य हिस्सों में लगभग एक सप्ताह से हो रही लगातार भारी बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

चारधाम यात्रा में इस साल टूट रहे सारे रिकॉर्ड, अब तक चारों धामों में पहुंचे 5.14 लाख श्रद्धालु

ऋषिकेश (आरएनएस)। दो वर्ष कोरोना महामारी से प्रभावित रही चारधाम यात्रा इस बार शुरुआत से ही पूरे रंग में है। स्थिति यह है कि यात्रा के शुरुआती दिनों में ही बीते वर्षों के सारे रिकार्ड ध्वस्त हो गए। अब तक तक चारों धाम में पांच लाख 14 हजार 129 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इनमें सर्वाधिक 1,86,668 श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे। जबकि, बदरीनाथ में 1,36,972, गंगोत्री में 1,03,429 और यमुनोत्री में 8,70, 60 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस वर्ष तीन मई को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा शुरू हुई।

जबकि, छह मई को केदारनाथ और आठ मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले गए। यानी बदरीनाथ धाम के कपाट खुले आठ, केदारनाथ के दस और गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुले अभी सिर्फ 13 दिन ही हुए हैं और इस अवधि में चारधाम यात्रा के इतिहास में सर्वाधिक श्रद्धालु दर्शनों को पहुंच चुके हैं। मौसम इसी तरह साथ देता रहा तो आने वाले दिनों में यात्रा नए कीर्तिमान स्थापित कर सकती है। वर्ष 2013 की आपदा के बाद 2014 व 15 में चारधाम यात्रा गति नहीं पकड़ पाई थी। लेकिन, वर्ष 2016 से वर्ष 2019 तक चारधाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा लगातार बढ़ता गया। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के चलते यात्रा पूरी तरह से ठप रही। जबकि, वर्ष 2021 में कोरोना का असर कम होने के बाद आखिरी दो माह सितंबर-अक्टूबर में ही यात्रा हो पाई।

गर्मी की छुट्टी के बीच रेलवे ने किया 20 से अधिक ट्रेनों को निरस्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। गर्मी की छुट्टी के मौसम में रेलवे ने अचानक यात्रियों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। रेलवे 17 मई से आठ जून के बीच 20 से अधिक ट्रेनों को निरस्त कर दिया है और चार से अधिक ट्रेनों के समय और रूट में बदलाव किया गया है।

रेलवे का ये फैसल उन लोगों के लिए मुसीबत भरा साबित होने वाला है जिन्होंने लंबी-लंबी लाइन लगाकर रिजर्वेशन कराया और ये ट्रेन निरस्त कर दी गई हैं। रेलवे के अचानक आए इस फैसले से ढेर सारे यात्री मायूस हो गए हैं। रेलवे ने गोंडा के रास्ते मुंबई, दिल्ली, जम्मूतवी, अहमदाबाद, चंडीगढ़, डिब्रूगढ़ सहित अहम स्टेशनों की ओर जाने वाली कई ट्रेनें लंबी अवधि के लिए निरस्त कर दी हैं। पूर्वोत्तर रेलवे गोंडा स्टेशन की यार्ड रिमाडलिंग के लिए नान इंटरलाकिंग करेगा। इस कारण गोरखपुर के रास्ते लखनऊ की ओर आने वाली अधिकांश ट्रेनें 17 मई से आठ जून तक निरस्त रहेंगी। कुछ ट्रेनों का रूट बदला जाएगा और कई ट्रेनें बीच रास्ते रोकी जाएंगी।

गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस, ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस, लखनऊ जंक्शन-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस,गोरखपुर-आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनस-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस, बरौनी-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस, लखनऊ जंक्शन-बरौनी एक्सप्रेस, ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस, बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस, छपरा कचहरी-गोमतीनगर एक्सप्रेस, गोमतीनगर-छपरा कचहरी एक्सप्रेस ये तमाम ट्रेन इस कारण 17 मई से आठ जून तक निरस्त रहेंगी।

वहीं गोरखपुर पनवेल एक्सप्रेस 17 से 30 मई तक, गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस 18 व 25 मई को, गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 21 व 28 मई को दो घंटे, गोरखपुर-हिसार गोरखधाम एक्सप्रेस, सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस, चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ टाउन एक्सप्रेस, बरौनी-बांद्रा अवध एक्सप्रेस, यशवंतपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्कक्रांति एक्सप्रेस एक से आठ जून के बीच अलग अलग दिन पर चार घंटे तक देरी से चलेगी। इसके साथ ही ग्वालियर से 18 मई से आठ जून तक चलने वाली ग्वालियर-बलरामपुर सुशासन एक्सप्रेस लखनऊ में, अहमदाबाद से 21 मई से चार जून तक चलने वाली अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस गोमतीनगर स्टेशन पर निरस्त रहेंगी।

ज्ञानवापी में सर्वे पूरा, नंदी के पास मिले बाबा, मुस्लिम पक्ष का दावा- मस्जिद में नहीं मिला कोई शिवलिंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे आज तीसरे दिन पूरा हो गया। वहीं सर्वे के बाद परिसर से बाहर निकले हिंदू पक्ष के वकील ने बड़ा दावा किया। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने बताया कि सर्वे के दौरान कुंए के अंदर शिवलिंग मिला है। जिसके बाद अब वह शिवलिंग की प्रोटेक्शन लेने सिविल कोर्ट जा रहे हैं। वहीं ज्ञानवापी मस्जिद मामले में याचिकाकर्ता सोहन लाल आर्य ने भी बाहर निकलकर कहा कि दावा किया कि कोर्ट कमीशन का सर्वे पूरा हो गया है। हमें निर्णायक सबूत मिले हैं। उन्होंने कहा कि अंदर नंदी के पास बाबा मिल गए हैं, जिन खोजा तिन पाइयां, मतलब जिसकी तलाश की जा रही थी, उससे कहीं अधिक मिला है। इतिहासकारों ने जो लिखा था, वह सही था। सोहन लाल आर्य ने बताया कि अब पश्चिमी दीवार के पास जो 15 फीट ऊंचा मलबा है, उसके सर्वे की मांग उठाएंगे।

वहीं ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे पूरा होने के बाद वाराणसी डीएम कौशलराज शर्मा ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे आज सवा 10 बजे तक पूरा हो गया है। 17 मई को अदालत में जब तक कमीशन की रिपोर्ट पर कोर्ट का जवाब नहीं आ जाता तब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। सभी पक्षकार बड़े संतुष्ट होकर गए हैं। डीएम ने कहा कि 17 मई को सर्वे की रिपोर्ट पेश होने के बाद कोर्ट का फैसला आएगा। उन्होंने कहा कि किसी की निजी बात या राय पर किसी को कोई ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

2 किमी के दायरे में फोर्स तैनात

वहीं सुरक्षा के मद्देनजर ज्ञानवापी मस्जिद के आसपास 2 किमी के दायरे में फोर्स तैनात की गई है। कोर्ट ने 17 मई को सर्वे की रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। सर्वे के दूसरे दिन टीम ने बताया था कि दोपहर 12 बजे तक लगभग 65 फीसदी काम पूरा कर लिया गया। ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे आज तीसरे दिन खत्म हो गया है। यह सर्वे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया गया। पिछले हफ्ते ज्ञानवापी मस्जिद समिति की आपत्तियों के बीच सर्वेक्षण रोक दिया गया था। समिति ने कोर्ट की तरफ से नियुक्त एडवोकेट आयुक्त पर आपत्ति जताई थी। हालांकि कोर्ट ने मामले को खारिज करते हुए दोबारा सर्वे का आदेश दिया था।

वहीं वाराणसी पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश ने बताया कि कोर्ट आयोग ने तीसरे दिन ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे किया है। उन्होंने बताया कि आज वैशाख पूर्णिमा पर काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ को प्रबंधित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। सर्वे को लेकर हमने व्यापक स्तर की सुरक्षा व्यवस्था दी थी, जिसके कई चरण थे। हम लोगों ने पक्षों के साथ लगातार बैठक की, क्योंकि यह कोर्ट का आदेश था जिसमें सभी के सहयोग की अपेक्षा थी।

पीएम किए ने लुम्बिनी, नेपाल में मायादेवी मंदिर के दर्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लुम्बिनी के अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान आज वहां मायादेवी मंदिर के दर्शन किये। उनके साथ नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देवबा और उनकी पत्नी डॉ. आर्जू राणा देवबा भी थीं।

दोनों शासनाध्यक्षों ने मंदिर परिसर के अंदर विद्यमान उस चिह्नक-प्रस्तर के दर्शन किये, जो भगवान बुद्ध के अवतरण के सटीक स्थान को इंगित करता है। बौद्ध कर्मकांडों के अनुसार की जाने वाली पूजा में भी दोनों शासनाध्यक्ष सम्मिलित हुये।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने मंदिर के बिलकुल बगल में स्थित अशोक स्तम्भ के निकट दीप प्रज्ज्वलित किया। इस स्तम्भ को सम्राट अशोक ने 249 ईसापूर्व में निर्मित कराया था। भगवान बुद्ध के लुम्बिनी में जन्म लेने का पहला अभिलेखीय प्रमाण इस स्तम्भ पर उत्कीर्ण है। इसके बाद, दोनों प्रधानमंत्रियों ने बोधि वृक्ष को जल अर्पित किया। इसके पौधे को बोध गया से लाया गया था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में उपहारस्वरूप भेंट किया था। दोनों शासनाध्यक्षों ने मंदिर की आगंतुक पुस्तिका में हस्ताक्षर भी किये।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर हरिद्वार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- मनसा देवी और चंडी देवी के दर्शन को भी पहुंच रहे हैं श्रद्धालु

हरिद्वार (आरएनएस)। बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर धर्म नगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। तडक़े से ही हर की पैड़ी समेत आसपास के गंगा घाटों पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। मनसा देवी और चंडी देवी के दर्शन को भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस की ओर से यातायात प्लान भी जारी किया गया है। आज सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक जिले में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इधर श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते धर्म नगरी के व्यापारियों के चेहरे खिले हैं। बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान और दान पुण्य करने से मनोकामना पूरी होती है।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक इस बार साल का पहला चंद्र ग्रहण भी लग रहा है, हालांकि स्थानीय स्तर पर इसका असर नहीं है। हिंदू पंचांग के अनुसार इसी पूर्णिमा के दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी तिथि को कठिन साधना के बाद बुद्धत्व प्राप्त किया था। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध भगवान विष्णु के नौवें अवतार हैं। बुद्ध पूर्णिमा पर्व के दौरान हरिद्वार में ललतारो पुल से शिवमूर्ति तक के क्षेत्र को जीरो जोन बना दिया गया है।

इस क्षेत्र में कोई भी विक्रम/आटो रिक्शा/टैक्सी गाड़ी नहीं चल रही है। यातायात का दबाव बढ़ जाने पर पुल जटवाड़ा, ज्वालापुर से आने वाले विक्रम, आटो रिक्शा रानीपुर मोड़, देवपुरा होते हुए बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन शिवमूर्ति तिराह से डायवर्जन यू-टर्न तुलसी चौक की ओर करते हुए कनखल की ओर और ज्वालापुर की तरफ जाने वाले विक्रम व आटो रिक्शा को मायापुर फायर सर्विस से देवपुरा चौक होते हुए रानीपुर मोड़ से बीएचईएल व ज्वालापुर भेजा जा रहा है।

बीएचईएल की तरफ से आने वाले विक्रम/आटो रिक्शा भगत सिंह चौक होते हुए टिबड़ी फाटक, पुराना रानीपुर मोड़, देवपुरा होते हुए बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन शिव मूर्ति तिराहे से डायवर्जन यूटर्न तुलसी चौक की ओर करते हुए कनखल की ओर तथा ज्वालापुर की तरफ जाने वाले विक्रम/आटो रिक्शा को मायापुर फायर सर्विस से देवपुरा चौक होते हुए रानीपुर मोड़ से बीएचईएल व ज्वालापुर जा रहे हैं। हर की पैड़ी पर श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते श्री गंगा सभा और पुलिस प्रशासन को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। आस्था की डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु दान पुण्य के साथ मंदिरों के दर्शन कर रहे हैं।